



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 53]
No. 53]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 31, 1986/माघ 11, 1907
NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 31, 1986/MAGHA 11, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(राजस्व विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 31 जनवरी, 1986

सं. 7/86-केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क

मा. का. नि. 80(अ) —केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो गया है कि ऐसी प्रथा के अनुसार जो उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण की बाबत (जिसे अंतर्गत उसका उद्ग्रहण न किया जाना भी है) केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 3 के अधीन उत्पाद-शुल्क के उद्ग्रहण की बाबत माध्यात्म-तया प्रचलित थी, वित्त अधिनियम, 1982 (1982 का 1) द्वारा उक्त अधिनियम की पहली अनुसूची में किए गए संशोधन से पूर्व विद्यमान उस उक्त सूची की मद सं. 11 के अंतर्गत आने वाले विमानन टर्बाइन ईंधन पर उत्पाद-शुल्क, इस प्रकार प्रभावी उत्पाद-शुल्क की बाबत केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी की गई किसी अधिसूचना के साथ पठित उक्त धारा 3 के अधीन, 14 जलाई, 1966

को आरम्भ होने वाले और 28 फरवरी, 1982 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान कम उद्ग्रहीत किया गया था ;

और ऐसे विमानन टर्बाइन ईंधन पर अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क, विशेष उत्पाद-शुल्क, विनियमनकारी उत्पाद-शुल्क और सहायक उत्पाद-शुल्क भी ऐसे शुल्कों के उद्ग्रहण के संबंध में संलग्न विधि के अधीन, उक्त अवधि के दौरान कम उद्ग्रहीत किए गए थे;

अतः, केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की धारा 11ग द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए निदेश देती है कि उक्त प्रथा के न होने पर ऐसे विमानन टर्बाइन ईंधन पर उक्त अधिनियम के अधीन या उक्त विधि के अधीन संदेय उत्पाद-शुल्क, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क, विशेष उत्पाद-शुल्क, विनियमनकारी उत्पाद-शुल्क और सहायक उत्पाद-शुल्क का वह सम्पूर्ण भाग जो ऐसे विमानन टर्बाइन ईंधन की बाबत संदाय किया जाना अपेक्षित नहीं होगा जिस पर उक्त उत्पाद-शुल्क, अतिरिक्त उत्पाद-शुल्क, विशेष उत्पाद-शुल्क, विनियमनकारी उत्पाद-शुल्क और सहायक उत्पाद-शुल्क उक्त प्रथा के अनुसार उपर्युक्त अवधि के दौरान कम उद्ग्रहीत किया गया था ।

[फा सं. 83/9/84-सी.एक्स. 3]

एस. सी. जाना, अवर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st January, 1986

No 7/86—CENTRAL EXCISES

G.S.R. 80(E).—Whereas the Central Government is satisfied that according to a practice that was generally prevalent regarding levy of duty of excise (including non-levy thereof) under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the duty of excise on Aviation Turbine Fuel, falling under Item No. 11A of the First Schedule to the said Act, as that Schedule existed prior to its amendment by the Finance Act, 1982 (14 of 1982), was short-levied under the said section 3, read with any notification issued by the Central Government in relation to the duty of excise so chargeable during the period commencing on the 14th day of July, 1986 and ending with the 28th day of February, 1982;

And whereas the additional duty of excise, special duty of excise, regulatory duty of excise and auxiliary duty of excise on such Aviation Turbine Fuel were also short-levied under the relevant law relating to the levy of such duties during the period aforesaid;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 11C of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby directs that the whole of that portion of the duty of excise additional duty of excise, special duty of excise, regulatory duty of excise and auxiliary duty of excise payable under the said Act or, as the case may be, under the said law, on such Aviation Turbine Fuel, but for the said practice, shall not be required to be paid in respect of such Aviation Turbine Fuel, on which the said duty of excise, additional duty of excise, special duty of excise, regulatory duty of excise and auxiliary duty of excise were short-levied during the period aforesaid, in accordance with the said practice.

[F. No. 83/9/84-CX-3]

S. C. JANA, Under Secy.